इंडिया गठबंधन की शनिवार को अहम बैठक

नयी दिल्ली, 12 जनवरी। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की शनिवार को महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है, जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार को संयोजक और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को गठबंधन का अध्यक्ष बनाने के साथ कई अहम फैसले होने की संभावना जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, बैठक सुबह 11.30 बजे होगी। वर्चुअल आधार पर हो रही इस बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस के शरद पवार, डीएमके के एम के स्टालिन सहित कई प्रमुख नेताओं के भाग लेने

- **कहा जा रहा है कि, इस बैठक में जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार को संयोजक और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को गठबंधन का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।**

की संभावना है, जिसमें सीटों के बंटवारे को लेकर भी रणनीति पर विचार किया जा सकता है।

गठबंधन की अब तक पटना, बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली में बैठक हो चुकी हैं। यह पहली बैठक है जो ऑन लाइन की जा रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक की अध्यक्षता वाली, पार्टी की राष्ट्रीय गठबंधन समिति की अब तक कई घटक दलों के नेताओं के साथ बैठक हो चुकी है। शनिवार की बैठक में इस मुद्दे पर अहम चर्चा होने की भी उम्मीद जताई जा रही है।

पश्चिम बंगाल: मंत्री और टी.एम.सी. विधायक के ठिकानों पर ई.डी. के छापे

- **विभिन्न नगर निकायों में नौकरियों के लिए कथित नकदी के मामले में शुक्रवार को ई.डी. ने मंत्री सुजीत बोस, टी.एम.सी. विधायक तापस रॉय और पार्षद सुबोध चक्रवर्ती के ठिकानों पर एक साथ रेड शुरू की।**
- **ज्ञातव्य है कि, टी.एम.सी. नेता सहजान शेख के घर पिछले शुक्रवार को उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में छापेमारी के लिए गए सी.आर.पी.एफ. जवानों और ई.डी. अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था।**

कोलकाता, 12 जनवरी। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विभिन्न नगर निकायों में नौकरियों के लिए, कथित नकदी के मामले में शुक्रवार को मंत्री सुजीत बोस, टीएमसी विधायक तपस रॉय और पार्षद सुबोध चक्रवर्ती के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि, केंद्रीय सशस्त्र बलों की सहायता से ईडी के अधिकारियों ने आज सुबह उत्तर 24 परगना के लेक टाउन में पश्चिम बंगाल के अग्निशमन और आपातकालीन सेवा मंत्री बोस की दो संपत्तियों, टीएमसी विधायक तापस रॉय के आवास और कार्यालय पर छापेमारी शुरू की। तलाशी अभियान के अलावा ईडी ने छापेमारी के दौरान राजनेताओं और उनके करीबी रिश्तेदारों से भी पूछताछ की।

रॉय बारानगर का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक हैं और राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी के प्रवक्ताओं में से एक भी हैं। ईडी निदेशक राहुल नवीन द्वारा राज्य का दौरा करने और पांच जनवरी को उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में ईडी अधिकारियों पर हमले के मामले में कुछ केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ राहुल नवीन की उच्च स्तरीय बैठक के ठीक दो दिन बाद राजनेता की संपत्ति पर एक साथ छापेमारी हुई।

सूत्रों ने बताया कि मौजूदा छापेमारी राज्य भर के विभिन्न नागरिक निकायों में भर्तियों में कथित अनियमितताओं की ईडी की जांच के सिलसिले में है। इस बार केंद्रीय जांच एजेंसी के साथ आए सीआरपीएफ के जवान हेलमेट, शील्ड, हथियार से लैस होकर आए थे।

ज्ञातव्य है कि, टीएमसी नेता सहजान शेख के घर पर पिछले शुक्रवार को उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में छापेमारी के लिए गए सीआरपीएफ जवानों और ईडी अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था। ईडी को छापामारी कार्यवाही छोड़नी पड़ी और अपने तीन अधिकारियों के घायल होने के बाद जान बचाकर भागना पड़ा।

समुद्र की गहराइयों में मिला आठ वर्ष पहले दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा

नयी दिल्ली, 12 जनवरी। संकेत मिले हैं कि, करीब आठ वर्ष पहले बंगाल की खाड़ी के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हुए वायु सेना के मालवाहक विमान, एएन-32 का मलबा चेन्नई से लगते समुद्री क्षेत्र में करीब साढ़े तीन किलोमीटर नीचे समुद्र की तलहटी में पड़ा है।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि, 22 जुलाई 2016 को दुर्घटना के कारण यह विमान लापता हो गया था, उस समय इसमें 29 लोग सवार थे। इस विमान तथा इसमें सवार लोगों का पता लगाने के लिए वायु सेना के विमानों तथा समुद्री जहाजों द्वारा बड़े पैमाने पर खोज एवं बचाव अभियान चलाया गया था लेकिन कुछ पता नहीं चल सका।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तत्वाधान में कार्य करने वाले राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान ने हाल ही में एक ऑटोनोमस अंडरवाटर व्हीकल के जरिये इसकी खोज शुरू की थी। यह खोज सोनार के माध्यम से 3400 मीटर की गहराई तक की गयी।

'वकील एक माह की हड़ताल मामले में पुन: शपथ पत्र पेश करें'

- **सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिये।**

जयपुर, 12 जनवरी (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन को पिछले वर्ष एक माह की वकीलों की हड़ताल में भाग लेने के लिये दिये गये नोटिस के मामले में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने बार एसोसियेशन को हरीश उप्पल केस में हुए निर्णय का हवाला दिया जिसके तहत किसी भी सूरत में एक दिन से ज्यादा की हड़ताल नहीं हो सकती है। इस आधार कोर्ट ने वकीलों से निर्धारित अवधि से ज्यादा समय तक हड़ताल करने के कारण पुन: शपथ पत्र मांगा। बार एसोसियेशन की ओर से पैरवी कर रहे वकील अभिनव शर्मा ने कहा कि पूर्व में ही उच्चतम न्यायालय में शपथ पत्र देहरादून बनाम एसोसियेशन मामले में दायर कर दिया था। उन्होंने आगे कहा कि तब के बाद से वकीलों द्वारा कोई स्ट्राइक नहीं की गई है।

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश अभय ओका और न्यायाधीश उज्जल भान की खंडपीठ ने बार को फिर से एक ओर शपथ पत्र दायर करने को कहा है और इसके लिए तीन हफ्ते का समय दिया है। जैसा कि विदित है कि जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में पिछले वर्ष मार्च माह में वकीलों की हड़ताल के दौरान एक मामले में न्यायालय ने यह टिप्पणी की थी कि वकील अदालत में पेश नहीं हुए थे। इस आदेश को जब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई तब सुप्रीम कोर्ट ने भी राजस्थान में वकीलों की हड़ताल पर नाराजगी जताई थी। इस संदर्भ में गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसियेशन, जयपुर, से जवाब तलब किया था।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में कड़ाके की ठंड पड़ी। शुक्रवार इस वर्ष सर्दी के मौसम का सबसे ठंडा दिन रहा, तापमान गिरकर 3.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह सर्द मौसम में रहने वाले औसत तापमान से 3 डिग्री नीचे था। यह जानकारी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दी है।

पिछले पांच दिनों में दर्ज किए गए तापमानों में यह न्यूनतम तापमान था। घने कोहरे ने दिल्ली के अनेक क्षेत्रों को अपने आगोश में ले लिया। पालम हवाई अड्डे की मौसमशाला के अनुसार वहां

- **शुक्रवार की रात दिल्ली में मौसम की सबसे सर्द रात रही। शनिवार के लिए मौसम विभाग ने दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में रैड अलर्ट घोषित किया है।**

सुबह 5.30 बजे शून्य दृश्यता थी।

रेल विभाग की खबरों के अनुसार कोहरे के कारण दिल्ली जाने वाली 23 ट्रेनों एक से 6 घंटे की देरी से चल रही हैं।

दिल्ली, पंजाब व हरियाणा प्रदेशों के लिए शनिवार रेड अलर्ट जारी किया गया है और उसके बाद इन क्षेत्रों में 14 जनवरी (रविवार) तक के लिए मौसम विभाग ने ओरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम कार्यालय ने सूचित किया है कि देश के उत्तरी, पूर्वी और उत्तर पूर्व के भागों में शीत लहर की स्थिति में कमी होने के कोई लक्षण दिखाई नहीं देते है। घने कोहरे के चलते अनेक स्थानों पर शून्य मीटर तक दृश्यता हो रही है।

जद (यू) ने बिहार की 17 लोकसभा सीटों पर फिर दावेदारी की

पटना, 12 जनवरी। जनता दल यूनाइटेड जद (यू) ने इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए बिहार की 17 सीटों पर अपना दावा दोहराया और उम्मीद जताई कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के बीच बातचीत के दौरान सीट बंटवारे का मुद्दा सुलझ जाएगा।जद (यू) के वरिष्ठ नेता और भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि, उनकी पार्टी का बिहार में 17 सीटों पर वास्तविक दावा है। उन्होंने कहा कि, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में जद(यू) ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और 16 सीटों पर विजयी हुई थी। हालांकि किशनगंज सीट मामूली अंतर से हार गई थी।

प्र.मंत्री मोदी ने नाशिकधाम पंचवटी से विशेष अनुष्ठान शुरू किया

- **प्र.मंत्री ने ट्वीट कर कहा कि, अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मात्र 11 दिन बचे हैं, मैं आज से विशेष अनुष्ठान प्रारंभ कर रहा हूँ।**
- **मोदी ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि, मैं इस पुण्य अवसर का साक्षी बनूंगा, प्रभु ने मुझे भारतवासियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है।**

नई दिल्ली, 12 जनवरी। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर बहुप्रतीक्षित भव्य राममंदिर के उदघाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष अनुष्ठान की शुरुआत की है।

मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट कर यह जानकारी साझा की है। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि, "अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में केवल 11 दिन ही बचे हैं। मेरा सौभाग्य है कि मैं भी इस पुण्य अवसर का साक्षी बनूंगा। प्रभु ने मुझे प्राण प्रतिष्ठा के दौरान, सभी भारतवासियों का प्रतिनिधित्व करने का निमित्त बनाया है।

इसे ध्यान में रखते हुए मैं आज से 11 दिन का विशेष अनुष्ठान आरंभ कर रहा हूं। मैं आप सभी जनता-जनार्दन से आशीर्वाद का आकांक्षी हूं। इस समय, अपनी भावनाओं को शब्दों में कह पाना बहुत मुश्किल है, लेकिन मैंने अपनी तरफ से एक प्रयास किया है...।"

प्रधानमंत्री ने अनुष्ठान शुरु करने से पहले एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में कहा कि वो नाशिक धाम-पंचवटी से अनुष्ठान की शुरुआत करेंगे, जहाँ भगवान राम ने बहुत समय बिताया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि, यह सुखद संयोग है कि आज (12 जनवरी को) स्वामी विवेकानंद तथा माता जीजाबाई की जयंती है। उन्होंने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि दी। इस क्षण प्रधानमंत्री ने अपनी माँ को भी याद किया जिनकी सीता-राम में अपार श्रद्धा थी।

कर्नाटक में कांग्रेस की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के स्थानीय पार्टी सूत्रों ने संकेत दिए हैं कि, इस बार कई नए चेहरे चुनाव मैदान में उतारे जा सकते हैं। इन नए चेहरों में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं विदेश मंत्री एस. जय. जयशंकर के नाम चर्चा में हैं। भाजपा के लिए, दक्षिण भारत में कर्नाटक एक महत्वपूर्ण राज्य है, जहाँ 2014 में 17 सीटें और फिर 2019 में 25 सीटें जीतकर उसने कांग्रेस व जनता दल (एस) को धूल चटाई थी।

लेकिन, इस बार भाजपा ने जनता दल (एस) के साथ चुनावी समझौता किया है और राज्य में अपने जूनियर पार्टनर के लिए पांच सीटें छोड़ी हैं। इसलिए, प्रभावी रूप से भाजपा को 24 सीटों पर लड़ना और जीतना है- इस

- **भाजपा के स्थानीय सूत्रों ने कहा कि, आधे से ज्यादा प्रत्याशी बदले जा सकते हैं। पार्टी कर्नाटक से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को उतार सकती है।**

तरह वो राज्य में अपनी 25 सीटों की पूर्व संख्या से, पहले ही एक सीट नीचे है।

कुछ भाजपा नेता, जिन्होंने कथित रूप से 2024 के चुनाव नहीं लड़ने की अपनी इच्छा ज़ाहिर की है, में पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, दावणगेरे सीट से चार बार सांसद रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री जी.एम. सिद्देश्वर तथा छ: बार सांसद रहे रमेश जिगाजिनागी के नाम मुख्य हैं। चिकवल्लापुर के बच्चे गौड़ा, टुमकुर के जी.एस. बसवराज, चमाराजा नगर के श्रीनिवास प्रसाद और बालार के वाय. देवेन्द्रप्पा जैसे कुछ नेता भी संभवत: उम्र के कारण चुनाव नहीं लड़ेंगे। ये सभी 70 के ऊपर हैं।

उत्तरा कन्नड़ से चार बार चुनाव जीते, अनंत हेगडे ने भी खराब स्वास्थ्य की बात कही है तथा हावेरी सीट से जीते शिवकुमार उदासी भी बाहर हो गए हैं।

'रेड के दौरान शारीरिक प्रताड़ना दी थी'

व्यापारी ने सी.बी.डी.टी. की टीम पर गंभीर आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया

- **मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने घटना का वीडियो क्लिप सील बंद लिफाफे में पेश करने के आदेश दिए।**

जयपुर, 12 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में सैंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज़ (सी.बी.डी.टी.) के अधिकारियों द्वारा एक छापे के दौरान व्यापारी को बुरी तरह पीटने और शारीरिक यातना देने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान पीड़ित व्यापारी, रामकुमार सोनी, के वकील सिद्धार्थ रांका ने अदालत को उनके मुवक्किल की ओर से शपथ पत्र देते हुए कहा कि उन पर शारीरिक हमले की वीडियो क्लिप मौजूद है, जिसके बाद अदालत ने इस वीडियो क्लिप की दो कॉपी बंद लिफाफे में पेश करने को कहा। इस वीडियो की एक कॉपी वित्त मंत्रालय को मुहैया कराने के आदेश भी दिये गए हैं।

अदालत ने कहा कि राज्य के वित्त विभाग को भी इस याचिका की एक कॉपी सभी साक्ष्य समेत दी जाये और वर्तमान अतिरिक्त महाधिवक्ता, आर.पी. सिंह, को भी उपलब्ध कराई जाये। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव और न्यायाधीश शुभा मेहता ने इस मामले की अगली तारीख 19 फरवरी तय की है। आदेश के अनुसार अगली तारीख से पहले वित्त मंत्रालय अपनी ओर से जवाब दायर कर सकता है और याचिकाकर्ता भी अपना प्रतिउत्तर पेश कर सकते हैं।

नकवी को मिला "प्राण प्रतिष्ठा" का निमंत्रण

नयी दिल्ली, 12 जनवरी। अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को राम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' के अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी को भी आमंत्रित किया गया है।

विश्व हिन्दू परिषद् के दिल्ली प्रान्त अध्यक्ष कपिल खन्ना एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त संपर्क प्रमुख चंदर वाधवा ने शुक्रवार को यहां नकवी को भगवान राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' का निमंत्रण पत्र दिया।

नकवी ने कहा,तारीखी लम्हे, ऐतिहासिक पल का सौभाग्यशाली गवाह बनने का मुझे आमंत्रण मिला है।

2024 का सबसे बड़ा खतरा है...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि "यह सब कुछ कैसे किया जाएगा, यह देखना हमारे लिए महत्वपूर्ण है।"

इससे भी आगे देखा जाए तो अगले दशक के जोखिम होंगे- मौसम की चरम स्थितियां और विश्व की राजनैतिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण बदलाव। सर्वेक्षण से गुजर चुके करीब एक तिहाई लोगों का मानना था कि एक नए बहुध्रुवीय अथवा खण्डित विश्व का स्वरूप सामने आएगा।

- **रिपोर्ट में ए.आई. के खतरे के बाद, मौसम के उलटफेर, सामाजिक ध्रुवीकरण, साइबर असुरक्षा और सशस्त्र संघर्ष को प्रमुख खतरा बताया गया है।**

जूरिख इश्योरैंस ग्रुप के साथ मिलकर तैयार की गई डब्ल्यु.ई.एफ. रिपोर्ट सितम्बर 2023 में किए गए सर्वे से संबंधित है। उसमें 1,400 से अधिक ग्लोबल रिस्क एक्सपर्ट्स, पॉलिसीमेकर्स और अग्रणी उद्योगपतियों से पूछा गया था कि उनकी सबसे बड़ी वैश्विक चिन्ता कौनसी है।

रिपोर्ट के लेखकों ने बताया कि संयुक्त जोखिमों में "दुनिया कि संयुक्त अनुकूलन क्षमताओं का अपने चरम पर पहुंचना है।"

उन्होंने अग्रणी लोगों का आव्हान किया कि वे वैश्विक समन्वय पर ध्यान केन्द्रित करें और सर्वाधिक विध्वंसकारी आसन्न जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपाय करें।"

उन्होंने कहा कि "ध्रुवीकृत धारणा एवं असुरक्षा की भावना के कारण वैश्विक व्यवस्था अस्थिर है। इसके अलावा एक्स्ट्रीम वैदर कंडीशन्स के हानिकारक प्रभाव और आर्थिक अनिश्चितता, दुष्प्रचार एवं गलत जानकारी आदि कई जोखिम हैं।"

अगले दो वर्षों में निम्न बातों का जोखिम सर्वाधिक है: दुष्प्रचार एवं भ्रामक जानकारी, मौसम की चरम स्थितियां, सामाजिक ध्रुवीकरण, साइबर असुरक्षा और अन्तर्राष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष। कुल 10 जोखिमों में आर्थिक अवसर की कमी, महंगाई, अनैच्छिक प्रवास, आर्थिक तंगी और प्रदूषण भी हैं।

अगले 10 वर्षों के लिए सर्वाधिक संभावित जोखिमों में मौसम की चरम स्थितियां, पृथ्वी की जलवायु में होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन, जैव विविधता की हानि, इकोसिस्टम का ध्वस्त होना, प्राकृतिक संसाधनों की कमी और दुष्प्रचार शामिल हैं। एक दीर्घकालिन चिंता के रूप में ए.आई. तकनीकों के विपरीत प्रभावों का भी नाम लिया गया है।

इससे पहले "यूरेशिया ग्रुप" ने वर्ष 2024 के वैश्विक जोखिमों को लेकर एक अन्य रिपोर्ट जारी की थी जिसमें अमेरिका में होने जा रहे चुनावों को वर्ष का सबसे बड़ा जोखिम माना गया था और शीर्ष पांच जोखिमों में "अनियंत्रित ए.आई." भी शामिल था। यूरेशिया ग्रुप के संस्थापक एवं अध्यक्ष इयान ब्रेमर ने एक प्रैस ब्रीफिंग में कहा कि रूस-यूक्रेन व इज़रायल-हमास के मुद्दों से पूर्व तथा चुनाव परिणाम के बाद के व्यापक प्रभावों के मद्देनज़र जोखिम बताने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था।

'क्या शंकराचार्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्यक्ष व प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा है कि "जो चापलूस लोग पिछली शाम से कांग्रेस के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे हैं उन्हें इस बात को लेकर भी बहस करनी चाहिए कि देश के सभी चार प्रमुख शंकराचार्य इस समारोह में क्यों उपस्थित नहीं हो रहे हैं।"

श्रीनेत ने इस बात को लेकर आलोचना करने वालों से सवाल पूछा कि "निर्मोही अखाड़ा जिसने कई दशकों तक भगवान राम लला की पूजा अर्चना की है, उसे क्यों उपेक्षित किया गया?"

कांग्रेस के अनेक नेताओं ने इस पर आश्चर्य प्रकट किया कि क्या आर.एस.एस. -भाजपा के द्वारा "वफादारी की परीक्षा" का जो मानदंड तय किया गया है उसको पास करना जरुरी है तो इसका मतलब यह हुआ कि हिन्दू होना साबित करने के लिए अब यह एक आवश्यक योग्यता बन गया है। कांग्रेसी नेताओं ने पूछा कि क्या अब संघ परिवार उसकी राजनीतिक शक्ति का प्रयोग देश के शंकराचार्यों को "हिन्दू विरोधी" घोषित करने में इस्तेमाल करेगा जो कि 22 जनवरी को अयोध्या में सम्पन्न होने वाले प्राण -प्रतिष्ठा समारोह से स्वयं को अलग रखेंगे क्योंकि यह समारोह अपूर्ण मंदिर होने की स्थिति में सम्पन्न हो रहा है।

कांग्रेस की ओर से निमंत्रण अस्वीकार करने के बाद भाजपा व मीडिया संस्थानों ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधा है और उस पर आरोप लगाया कि वह हिन्दू-विरोधी है और मुस्लिमों समर्थक पार्टी है। इन्होंने कांग्रेसी नेताओं के इफ्तार समारोह में शामिल होते हुए फोटो खबरों के साथ दिखाए हैं।

आकाश-एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली, 12 जनवरी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से नयी पीढ़ी की आकाश-एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण किया। मिसाइल के परीक्षण के दौरान कम ऊंचाई पर अधिक गति वाले एक मानव रहित लक्ष्य पर निशाना साधा गया। मिसाइल ने लक्ष्य पर अचूक निशाना साधते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। इससे मिसाइल की हथियार प्रणाली के सुचारू कामकाज की पुष्टि हुई। मिसाइल की हथियार प्रणाली में देश में ही विकसित रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर , लांचर, मल्टी फंक्शन रडार और कमान, नियंत्रण एवं संचार प्रणाली शामिल हैं। इन प्रणालियों के प्रदर्शन को रडार, टेलीमिट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रेकिंग सिस्टम के जरिये परखा गया। परीक्षण के समय डीआरडीओ, वायु सेना, भारत डायनमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

'श्रृंगेरी और द्वारका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शंकराचार्यों की तरफ से किये गये दावों और प्रतिदावों ने, भाजपा और कांग्रेस के बीच अयोध्या मुद्दे पर चल रहे कटु युद्ध में आग में घी डालने का काम कर दिया है।

हिन्दू धर्म के उत्थान के लिये समर्पित एक प्रकाशन, "द स्ट्रगल फॉर हिन्दू एग्ज़िसटैंस" ने शंकराचार्यों की आपत्तियों का विवरण प्रकाशित किया है।

प्रकाशन के अनुसार, पुरी के शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि उनको लगता है कि, केन्द्रीय सरकार अयोध्या में एक पवित्र मंदिर नहीं बल्कि एक मकबरा बना रही है।

उनका समारोह में न जाने का मानस उनकी राम में आस्था को नकारता नहीं है बल्कि ये कुछ अवसरवादी और षड़यंत्रकारी नेताओं के विरूद्ध एक सिद्धांतवादी दृष्टिकोण है। पुरी के शंकराचार्य ने भाजपा, राष्ट्रीय

- **शंकराचार्यों ने प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल नहीं होने के लिए कारण यह बताया है कि, प्राण प्रतिष्ठा शास्त्र के नियमों के अनुसार नहीं हो रही है।**
- **पुरी शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि, भाजपा-आर.एस.एस. फर्जी शंकराचार्य अधोक्षानंद को प्रोजैक्ट कर रही है, इन्हें प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भी बुलाया गया है।**

स्वयं सेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद पर एक नकली शंकराचार्य, स्वामी अधोक्षजानन्द प्रोजैक्ट करने का आरोप लगाया है, जिनको समारोह में सम्मिलित होने का निमंत्रण भेजा गया है।

इसी दौरान, श्रृगेरी के शंकराचार्य भारती तीर्थ जी ने मंदिर के निर्माण के प्रति अपनी खुशी व्यक्त की है लेकिन ऐसे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को अनुचित मानते हैं जिसका निर्माण अभी अधूरा है। उनका मानना है कि सरकार राजनैतिक फायदे के लिये हिन्दुओं की भावनाओं से खिलवाड़ कर रही है।

द्वारका के शंकराचार्य सदानन्द सरस्वती जी ने भी पौष के अशुभ महीने में समारोह के आयोजन और इसके राजनीतिकरण पर सवाल उठाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर के पूर्ण निर्माण से पहले प्राण प्रतिष्ठा के औचित्य पर आपत्ति जताई है।

ज्योतिष पीठ के प्रमुख शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने कहा की वेदों के अनुसार, सिर्फ ब्राह्मण ही पुजारी बन सकते हैं और सदियों से चली प्रथाओं का अनुकरण करना चाहिए, वास्तव में उन्होंने एक शूद्र को पुजारी बनाने की आलोचना की है।

नेता प्रतिपक्ष के नाम पर कांग्रेस अभी भी उलझन में

- **आधा दर्जन नामों पर सबसे अधिक चर्चा है।**
- **19 जनवरी से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र से पहले नाम की घोषणा की संभावना।**

जयपुर 12 जनवरी (का.प्र.)। राजस्थान विधानसभा का सत्र 19 जनवरी से शुरू होने वाला है और अभी तक कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष का चयन नहीं किया है, हालांकि, विधायक दल की बैठक के बाद एक लाइन का प्रस्ताव आलाकमान के नाम भेज दिया गया था, लेकिन अभी तक राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष को लेकर फैसला नहीं हुआ है। दूसरी तरफ राजस्थान के साथ ही चुनाव हारने वाले राज्यों, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बारे में फैसला उसी समय कर लिया गया था।

इस बारे में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से पूछने पर उन्होंने कहा था कि, नेता प्रतिपक्ष की जरूरत विधानसभा में होती है और जल्द ही फैसला हो जाएगा। राजस्थान में कांग्रेस की हार के बाद अब 70 विधायकों का नेतृत्व सदन में कौन करेगा, इसे लेकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को फैसला लेना है। अभी तक तो ऐसा माना जा रहा था कि हरीश चौधरी को पंजाब प्रदेश के प्रभारी पद से हटकर राजस्थान में कोई जिम्मेदारी दी जाएगी, लेकिन हरीश चौधरी को लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए दक्षिणी भारत के चार राज्यों का जिम्मा दे दिया गया है। राजस्थान में लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए चुनाव समिति बनाकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को जिम्मेदारी दे दी गई है। इससे यह तो तय हो गया है कि, इन दोनों में से कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं बन रहा और गोविंद सिंह डोटासरा लोकसभा चुनाव तक तो प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहने वाले हैं। सचिन पायलट को भी पार्टी महासचिव व छत्तीसगढ़ का प्रभारी बना दिया गया है, इसलिए वो प्रतिपक्ष के नेता नहीं होंगे।

अब सवाल यह उठता है कि, आखिरकार राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष कौन बनेगा। इस पद के लिए कई नेताओं के नाम लिए जा रहे हैं। सबसे पहले महेंद्रजीत सिंह मालवीय का नाम सामने आया था, लेकिन सदन में वाकपटुता और बेहतर भाषण देने वाले नेता की जरूरत होती है और मालवीय इस मामले में फिट नहीं बैठते। वो कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भी हैं। ऐसे में उनकी संभावनाएं कम हो गई हैं।

मालवीय के बाद वरिष्ठ विधायकों की बात करें,तो सीकर से विधायक राजेंद्र पारीक का नाम भी प्रमुखता से नेता प्रतिपक्ष के लिए लिया जा रहा है। राजेंद्र पारीक को सदन का अनुभव भी है और वे सभापति पैनल में भी रह चुके हैं। इसलिए कहा जा रहा है कि, पार्टी उन्हें नेता प्रतिपक्ष बन सकती है।

हरिमोहन शर्मा के नाम की भी चर्चा है, जो बूंदी से चुनाव जीतकर आए हैं और पूर्व में मंत्री भी रह चुके हैं। हालांकि उनकी उम्र और स्वास्थ्य उनके आड़े आ सकता है।

यदि पार्टी ने किसी नए नेता के नाम पर चर्चा की तो दो नाम उभर कर सामने आ रहे हैं। पहला नाम है अशोक चांदना का, जो तीसरी बार विधायक बने हैं और गहलोत सरकार में युवा और खेल मामलों के मंत्री थे। इनकी भाषण शैली आक्रामक है और सदन में मंत्री के तौर पर ये बेहतर जवाब देते थे साथ ही जब विपक्ष में थे तो मुद्दों पर चर्चा किया करते थे। इसलिए इनका नाम भी चर्चाओं में आया है।

दूसरी तरफ यदि पार्टी के किसी अनुसूचित जाति के नेता को नेता प्रतिपक्ष बनाने की बात होती है, तो पूर्व मंत्री टीकाराम जूली ,जो अलवर ग्रामीण से लगातार चुनाव जीत रहे हैं को इस पद के लिए चुना जा सकता है। जूली भंवर जितेंद्र सिंह की पसंद हैं, जो दिल्ली दरबार के नजदीकी नेता माने जाते हैं।

हालांकि, पुराने चेहरों में मुरारी लाल मीणा और बृजेंद्र ओला जैसे भी नेता हैं लेकिन बृजेंद्र ओला आक्रामक नहीं हैं और चूँकि शेखावाटी से गोविंद सिंह डोटासरा प्रदेश अध्यक्ष हैं, तो ओला के नेता प्रतिपक्ष बनने की संभावना कम हो जाती है। मुरारी लाल मीणा को लेकर कहा जाता है कि वे सचिन पायलट खेमे के हैं और उनके नाम पर अशोक गहलोत और उनके समर्थक विधायक तैयार नहीं होंगे। अब देखना यह है कि क्या अगले एक-दो दिन में नेता प्रतिपक्ष के नाम की घोषणा हो जाएगी। क्योंकि सदन 19 जनवरी से शुरू होगा, लेकिन उससे पहले विपक्षी पार्टी के विधायकों की रणनीतिक बैठक होती है, जिसमें सदन में होने वाली कार्यवाही के दौरान विधायकों को टास्क दिया जाता है, उसे बैठक से पहले नेता प्रतिपक्ष बनाया जाना जरूरी होता है। इसलिए पूरी संभावना है कि, अगले दो-तीन दिन में नेता प्रतिपक्ष को लेकर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व अंतिम फैसला कर देगा।

9 राज्यों के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस ने शुक्रवार को दिल्ली में सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा की। दोनों पार्टियां दिल्ली की सात सीटों में से चार-चार सीटें चाहते हैं। आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर उनके गठबंधन की आगे की राह तय करने के लिए यह उनकी दूसरी बैठक हुई है। हरियाणा में कांग्रेस से आप पार्टी सात सीटें बंटवारे में चाहती है।

लोकसभा के आम चुनावों के लिए अब लगभग तीन माह का समय शेष रह गया है और इंडिया ब्लॉक के सहयोगी दलों को अपनी सीटों की भागीदारी को लेकर अपनी चर्चा को अंतिम अंजाम तक पहुंचाने के लिए बहुत कम समय बचा है।

'आम जनता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रदेशभर में भाजपा की ओर से रामलला बिराजमान होने का उत्सब बड़े स्तर पर मनाने की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। सरकार संभवत: एकाध दिन में सरकारी स्तर के कार्यक्रमों की घोषणा कर सकती है। शनिवार को भाजपा ऑफिस में फिर बड़ी बैठक प्रस्तावित है, जिसमें बैठक में हुए निर्णयों को मूर्तरूप देने के लिए जिम्मेदारियां तय होंगी।

बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी, छत्तीसगढ़ के प्रभारी ओमप्रकाश माथुर, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, मंत्री जोगाराम पटेल, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड, तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ, सांसद सुखबीर सिंह जोनापुरिया सहित प्रदेश पदाधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908